ब्राक मीडिया

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के मीडिया छात्रों का प्रायोगिक समाचार-पत्र

ब्राक मीडिया के निरंतर एक वर्ष प्रकाशित होने की बधाई। 27 अक्टूबर 2023 को कई साल बाद पहला संस्करण प्रकाशित हुआ। शिक्षकों के मार्गदर्शन का, सभी सहयोगी विद्यार्थियों का और विशेष रूप से पाठकों का हृदय से आभार।

नई दिल्ली, 18 फरवरी 2025 | अंक 7 ,पृष्ठ 1

डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में 34वें वार्षिक उत्सव का आयोजन

नई दिल्ली : डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के 34वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर अकादमिक, सांस्कृतिक और अन्य प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये।

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने कॉलेज की सालभर की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कॉलेज की शोध अकादमिक एवं अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कक्षाओं के अलावा भी सीखने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानकों और मूल्यों के अनुसार स्वयं को शिक्षण के लिए तैयार करना होगा। हमारे शिक्षक इस नई शिक्षा नीति के मानकों के अनुरुप शिक्षण पद्धति को संचालित करने में अहम योगदान दे रहे हैं।

अभिषेक को सर्वोत्तम विद्यार्थी का पुरस्कार प्रदान करते प्राचार्य प्रो सदानंद प्रसाद एवं चेयरमैन प्रो पंकज त्यागी

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पूर्व चेयरपर्सन विजया भारती रुपानी ने कहा कि समावेशी समाज निर्माण आज की आवश्यकता है। शिक्षा उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। देश की प्रगति एवं विकास में शिक्षा की अहम भूमिका है और इसके केन्द्र में विद्यार्थी हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉलेज एलुमनी एवं डिप्टी कमिश्नर इमरान रजा ने विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने की सलाह दी। उन्होंने शिक्षक को अपना रोल मॉडल बनाने का आह्वान किया। शिक्षक छात्रों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका में होते हैं और यदि विद्यार्थी शिक्षकों के सान्निध्य और सलाह प्राप्त कर उसपर अमल करते हैं तो उन्हें जीवन में मनोवांछित सफलता प्राप्त होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. पंकज त्यागी ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास ही हमें बड़े लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। डॉ माधुरी सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि कॉलेज जीवन में कैरियर के लिए अनेक अवसर आते हैं। विद्यार्थी अगर लक्ष्य केन्द्रित रहते हैं तो विपरीत परिस्थितियाँ कोई प्रभाव नहीं डाल सकतीं।

भूगोल विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा को कॉलेज के सर्वोत्तम विद्यार्थी का पुरस्कार प्रदान किया गया। गणतंत्र दिवस कैम्प और परेड में हिस्सा लेने वाले अनुराग चौहान और किशन कुमार को भी पुरस्कृत किया गया। विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को श्रीमती सीता पातंजलि, शीतला प्रसाद सिंह जयंती मेमोरियल आदि अवार्ड सहित पंद्रह विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया। दिव्यांग टॉपर प्रणव उनियाल को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. पूनम मितल ने किया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. दीपाली जैन और सह-संयोजक प्रो. ममता यादव के संयोजन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम चेतना कृति का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली : डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम चेतना कृति का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के चेयरमैन प्रो पंकज त्यागी उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो सदानंद प्रसाद भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। प्रो सदानंद ने उद्घाटन उद्बोधन में कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी को एकसूत्र में बांधने का काम करता है। प्रो पंकज त्यागी ने कहा कि इस कार्यक्रम आयोजित करने के साथ अपनी प्रतिभा को भी निखारते हुए जीवन में सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखने का प्रयास करें।

सांस्कृतिक उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में केशव महाविद्यालय की दिव्या पालीवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सृजन सोसायटी द्वारा आयोजित कैरीकेचर और डूडल प्रतियोगिता में

बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित करते प्राचार्य

अमिटी विश्वविद्यालय के यश गौतम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आनंद नटनम सोलो क्लासिकल कंप्टीशन में वृत्ति गुजराल विजेता रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना दीपार्जन और विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। इस दौरान सांस्कृतिक समिति की संयोजक प्रो जया वर्मा, प्रो शशि रानी, प्रो बिजेंद्र कुमार, डॉ तूलिका सनाढ्य,प् रो ममता, डॉ ताराशंकर आदि उपस्थित थे।

सांस्कृतिक उत्सव 'चेतना कृति' का दूसरा दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने किया सराबोर

नई दिल्ली : दिल्ली विश्विद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव चेतना कृति के दूसरे दिन भारत की सांस्कृतिक छवियों को प्रदर्शित किया। अम्बेडकर कॉलेज की टीम लाघवम की नृत्य प्रस्तुति के साथ दिन के कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में दूसरे दिन कहानी लेखन, सांस्कृतिक नृत्य , फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

लोक नृत्य प्रतियोगिता में विभिन्न कालेजों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज की टीम रिवायत ने प्रथम और श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कामर्स की टीम रौनकां ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लोकनृत्य कार्यक्रम में पंजाब का गिद्धा और भांगडा, महाराष्ट्र की लावनी, राजस्थान का तेरह ताली और गुजरात का गरबा जैसे लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुति हुई। फैशन शो में प्रथम स्थान मंथन ग्रुप,

नृत्य प्रस्तुति के दौरान प्रतिभागी

कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज को मिला और दूसरे स्थान पर सुपरनोवा टीम, गलगोटिया यूनिवर्सिटी रही। कॉलेज की फोटोग्राफी सोसायटी स्नैपीडिया की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। कविता पाठ प्रतियोगिता में कवियों ने अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित किया। समारोह में संगीत, नृत्य, फैशन शो, मोनोलॉग , कविता तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

समारोह में आयोजित प्रतियोगिताओं में विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों ने भारत की सांस्कृतिक छवि को सभी के सामने प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों के पारंपारिक पोशाक सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। कॉलेज प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद और कार्यक्रम संयोजिका प्रो. जया वर्मा ने सांस्कृतिक महोत्सव के शानदार आयोजन के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद किया।

“अपार संभावनाओं के द्वार खोलती कृत्रिम मेधा” : सुशांत मोहन

नई दिल्ली : डॉ भीमराव अम्बेडकर कॉलेज के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन विभाग द्वारा मंगलवार को मीडिया में कृत्रिम मेधा के उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्र और डीएनए, जीन्यूज के सीइओ सुशांत मोहन ने अपने संबोधन में कहा कि मीडिया में नौकरियां एआई के आने से नहीं जा रही हैं बल्कि एआई नहीं सीखने की वजह से जा रही है। पत्रकारिता के हालिया ट्रेंड में एआई और मशीन लर्निंग के जरिए काफी रोजगार का सृजन हो रहा है। उन्होंने कनीय भ्राताओं को जोर देकर बताया कि अगर आपको मीडिया के क्षेत्र में बेहतर कैरियर बनाना है तो एआई और अंग्रेजी भाषा को जल्द से जल्द सीखना होगा।

कार्यशाला में संचार विज्ञानी डॉ निमिष कपूर ने संबोधित किया और युवा पत्रकारों को कृत्रिम मेधा के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इंटरनेट ऑफ थिंग्स के बारे में बताते हुए कहा कि इसका इस्तेमाल सोयाबीन की खेती में भी किया जा रहा है।

कार्यशाला में कम्प्यूटर एवं कृत्रिम मेधा विशेषज्ञ डॉ सचिन कुमार का

विद्यार्थियों को संबोधित करते सुशांत मोहन

संबोधन हुआ। इन्होंने एआई के क्रमिक विकास पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के उद्बोधन में बालेन्दु शर्मा दधीच ने एआई से पैदा होने वाली समस्याओं के बारे में बताया। डीपफेक के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके प्रयोग से व्यक्ति के निजता का हनन हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वल और सरस्वती वंदना के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत तुलसी पौध और मोमेंटो देकर किया गया। इसके बाद प्राचार्य प्रो सदानंद प्रसाद द्वारा अतिथियों का स्वागत और प्रो. शशि रानी द्वारा कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत किया गया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. चित्रा रानी और प्रो. बिजेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

आध्यात्मिकता से ही विश्वगुरु बनने का सपना होगा पूरा : अभय कुमार

नई दिल्ली : आध्यात्मिकता का रहस्य हमारे वेदों और पुराणों में है। हमें भारतीय होने पर गर्व करना चाहिए। प्राचीन काल में हम विश्वगुरु रह चुके हैं। लेकिन उस लक्ष्य को पुनः प्राप्त करने के लिए हमें आध्यात्मिक रूप से सक्षम होना पड़ेगा। सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा अधिकारी अभय कुमार जोहरी ने डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान यह बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने असम के आदिवासी क्षेत्र के अपने अनुभवों को भी साझा किया।

डॉ भीम राव अम्बेडकर कॉलेज की योग समिति और मेविन मैजिक के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय आध्यात्मिक त्यौहार आयोजन किया गया। इसमें 19 वेलफेयर विशेषज्ञ आमंत्रित थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ योगा समिति की समन्वयक व प्राकृतिक चिकित्सा और स्वास्थ्य प्रशिक्षक डॉ तुलिका सनाढ्य ने किया। कॉलेज प्राचार्य प्रो सदानंद प्रसाद ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आधुनिक समय में अध्यात्म, ध्यान और योग की उपयोगिताओं पर प्रकाश डाला।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की प्रो अनु कपूर ने प्रमुख वक्ता के तौर पर विस्तारपूर्वक कल्याण प्राप्ति के

अभय कुमार जौहरी

मार्गों की चर्चा की। हरमीत चावला ने बताया कि कैसे कोई आध्यात्मिक ज्ञान से सफल नेतृत्वकर्ता बन सकता है। वहीं डॉ नूपुर श्रीवास्तव ने विज्ञान और अध्यात्म के अंतर्संबंधों की चर्चा की। सुभाष सेठी ने ध्यान और विपासना के सहारे खुशी प्राप्ति के बारे में बताया। चिकित्सक वीपी सिंह ने बताया कि कैसे दवाओं के बिना ही रीढ़ की हड्डी के दर्द से निजात पाया जा सकता है। मीनू मिनोचा ने बताया कि कैसे आंतरिक आघातों को दूर किया जाए।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सेदारी की। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी का भी दौर चला जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं का निवारण किया। छात्रों की सक्रियता और सहभागिता प्रशंसनीय रही।

छात्र संघ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

नई दिल्ली : डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय (डीयू) के नव निर्वाचित छात्र संघ का शपथ समारोह सम्पन्न हुआ। “संकल्प” नाम से आयोजित कार्यक्रम को पद्मश्री सतपाल सिंह ने संबोधित किया।

छात्र संघ चुनाव के घोषित परिणाम के अनुसार छात्र संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उप-सचिव, सांस्कृतिक सचिव एवं खेल सचिव का पदभार संभाला। हर्ष डेढ़ा, पंकज गुप्ता, निशा छपराना, अंकित कसाना, प्रियांशु और धैर्य गुप्ता ने क्रमानुसार शपथ ग्रहण किया। छात्र संघ के प्रतिनिधियों ने साकारात्मक राजनीति करते हुए महाविद्यालय के पक्ष में सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि उपस्थित पैरा एथलेटिक्स कोच पद्मश्री सतपाल सिंह ने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि जब मैंने दिव्यांगों को खेल सिखाना शुरु किया तो लोग मेरा मजाक बनाते थे। लेकिन आज हमारे खिलाड़ी दुनियाभर में परचम लहरा रहे हैं।

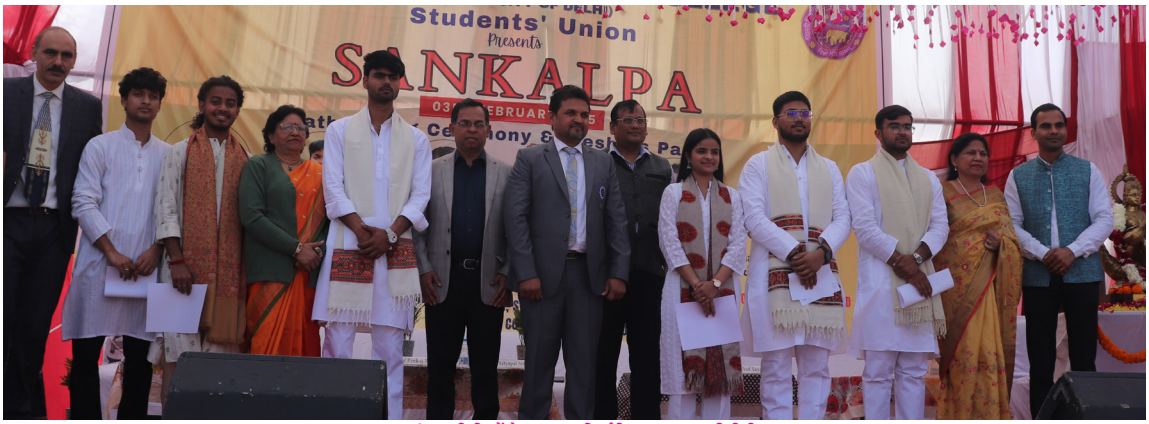

मंचासीन अतिथियों के साथ नवनिर्वाचित छात्रसंघ प्रतिनिधि

मैं आपके सामने खड़ा हूं, इसकी ताकत और प्रेरणा हमारे यही दिव्यांग खिलाड़ी हैं।

प्राचार्य प्रोफेसर सदानंद प्रसाद ने नवनिर्वाचित छात्र संघ को बधाई दी और कहा कि हमारे ये प्रतिनिधि अपने हिस्से आयी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करेंगे और प्रशासन के साथ तालमेल बिठाकर हमारे महाविद्यालय को नयी ऊंचाई तक ले जाएंगे।

मौके पर उपस्थित महाविद्यालय के चेयरमैन प्रोफेसर पंकज त्यागी ने कहा कि छात्र संघ के प्रतिनिधियों से उम्मीद की जाती है कि वो राजनीति की नयी परिभाषा गढ़ेंगे। देश और महाविद्यालय को “पॉजेटिव” और “एनोवेटिव पॉलिटिक्स” की ज़रूरत है। छात्र प्रतिनिधियों को सकारात्मक राजनीति के साथ-साथ अपनी कक्षा एवं छात्रों के बीच नियमित उपस्थित बनाए रखनी चाहिए।

छात्र संघ ने सकारात्मक राजनीति करने एवं महाविद्यालय के पक्ष में निरंतर सक्रिय रहने का शपथ लिया। इस अवसर पर नवागंतुक छात्रों के स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया जिसमें मिस्टर फ्रेशर एवं मिस फ्रेशर का खिताब क्रमशः कुशाग्र सिंह एवं तान्या सिंह जीता।

पूर्व छात्र संघ को उनके कार्यकाल की समाप्ति पर प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही नॉन टीचिंग स्टाफ में बिजेंद्र सिंह बघेल, अनिल कुमार और भवानी को भी प्रशंसा- पत्र से सम्मानित किया गया। मंच संचालन प्रोफेसर दीपाली जैन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन छात्र संघ सलाहकार समिति के संयोजक प्रोफेसर जितेंदर सरोहा ने किया।

युवाओं से लेकर वयस्कों को अपनी गिरफ्त में ले चुका है सोशल मीडिया : प्रो नवीन कुमार

साइकोलॉजी बिहाइंड सोशल मीडिया एडिक्शन 'Podcast with Professors' में दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान के प्रोफेसर और 'मीडिया साइकोलॉजी' पुस्तक के लेखक डॉ. नवीन कुमार से बातचीत

समाज का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता है, जिसके कारण रील्स एडिक्शन जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं। इसके पीछे की साइकोलॉजी क्या होती है?

सोशल मीडिया आज के युग में संचार का एक नया साधन बन गया है, जिसमें सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं। लोग अपनी प्रोफेशनल लाइफ से लेकर दैनिक गतिविधियाँ इसी माध्यम से अंजाम देते हैं। जहाँ तक युवा पीढ़ी की बात है। युवाओं में सोशल मीडिया का आकर्षण अधिक होता है क्योंकि आज हरेक युवा किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म से जुड़ा हुआ है, चाहे वह फ़ेसबुक हो, ट्विटर हो या इंस्टाग्राम। इन प्लेटफ़ॉर्म्स पर उन्हें इंस्टेंट वैलिडेशन मिलता है। जैसे ही वे कोई रील बनाते हैं या कोई अन्य गतिविधि साझा करते हैं, उन्हें तुरंत लाइक्स और कमेंट्स के रूप में प्रतिक्रिया मिलती है। यही इंस्टेंट वैलिडेशन अगली बार और अधिक लाइक और कमेंट्स पाने की अपेक्षा पैदा करता है। इसी अपेक्षा को पूरा करने के लिए नई पीढ़ी के लोग बार-बार नई रील्स या पोस्ट डालते हैं।

साक्षात्कार के दौरान प्रो नवीन कुमार एवं गोविंद राज

वास्तव में यह एक चिंताजनक स्थिति है। क्या आप बता सकते हैं कि इस एडिक्शन से कैसे बचा जा सकता है?

सोशल मीडिया की उपलब्धता 24/7 है। बच्चे हों, युवा हों या वयस्क—हर किसी के पास स्मार्टफोन है। सोशल मीडिया घर बैठे कभी भी और कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए इस पर सीधा नियंत्रण पाना कठिन है। इससे बचाव के लिए व्यक्ति को स्वयं जागरूक होना होगा। समस्या सिर्फ बच्चों तक सीमित नहीं है। पढ़े-लिखे व समझदार लोग भी इसका शिकार होते हैं क्योंकि यह एक 'सर-रियल वर्ल्ड' है, जहाँ वास्तविकता और आभासी दुनिया के बीच का अंतर धुंधला हो जाता है।

इंट्रोवर्ट और एक्स्ट्रोवर्ट लोगों के सोशल मीडिया व्यवहार में क्या अंतर होता है?

जो लोग आमने-सामने बातचीत से बचते हैं, उनके लिए सोशल मीडिया एक एस्केप रूट (Escape Route) बन जाता है। ऐसे लोग सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय होते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में संवाद या सामाजिक आयोजनों में भाग लेने से कतराते हैं। एक्स्ट्रोवर्ट लोग वास्तविक जीवन के सामाजिक संबंधों को अधिक प्राथमिकता देते हैं और आमने-सामने संवाद में भाग लेना पसंद करते हैं।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल से एक वर्चुअल इमेज बनती है। लोग हमारे स्टेट्स देखकर हमारी एक धारणा बनाते हैं, जो हमारी वास्तविकता से अलग होती है। इसके पीछे का मनोविज्ञान क्या है?

सोशल मीडिया का जो लोग ज़्यादा इस्तेमाल करते हैं, उनके बारे में ऐसा माना जाता है कि वे सेल्फ स्टीम वाले लोग हैं। उन्हें ऐसा प्रतीत होता है कि लोग उन्हें सोशल मीडिया पर 'वैलिडेट' करते हैं। वैसे में, उनका सोशल आइडेंटिटी, फैमिली आइडेंटिटी, प्रोफेशनल आइडेंटिटी और ओवर ऑल सेल्फ आइडेंटिटी के वैलिडेशन के लिए सोशल मीडिया की तरफ उनका झुकाव बढ़ जाता है। इसलिए वे बार बार स्टेटस अपडेट करते रहते हैं ताकि लोग उसको लाइक करें। जब लोग उनके पोस्ट को लाइक नहीं करते तो उनके मन में एक निराशा की भावना भी उत्पन्न होती है।

(यह बातचीत का एक अंश है, पूरा वीडियो पॉडकास्ट विथ प्रोफेसर्स के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।)

अम्बेडकर कॉलेज में नॉर्थ- ईस्ट सेल ने किया ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में 23 अक्टूबर को नॉर्थ ईस्ट सेल के द्वारा नए छात्रों के स्वागत के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामजस कॉलेज के सह-प्राध्यापक डॉ ओजित कुमार ,विशिष्ट अतिथि डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद तथा कार्यक्रम की संयोजिका विक्टोरिया चानु और सह-संयोजक प्रो.नलिम कुमार उपस्थित रहें। सभी अतिथियों का स्वागत संयोजिका विक्टोरिया चानु द्वारा किया गया।

विक्टोरिया चानु ने सभी नए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें कॉलेज जीवन की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी, और कहा की नॉर्थ-ईस्ट सेल सदैव उन्हें प्रोत्साहित करता रहेगा। डॉ ओजित कुमार ने समृद्ध जैव विवधता के माध्यम से नॉर्थ ईस्ट के बारे में विद्यार्थियों को बताया और उत्तर-पूर्वी राज्यों के विविधता के लाभ और हानि पर चर्चा किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने मणिपुर , लद्दाख का पारंपरिक नृत्य और असम का बीहू प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के समापन में विक्टोरिया चानु ने सभी छात्रों तथा अतिथियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा और विविधता भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के सेवेन सिस्टर्स की संस्कृतियों में प्रतिबिम्बित होती है।

पूर्वोत्तर के पारंपरिक परिधान में विद्यार्थी

लोकतांत्रिक मूल्यों को जीवित रखने में संविधान की महत्ती भूमिका: प्रो नचिकेता

नई दिल्ली : आध्यात्मिक पुस्तकों के बराबर संविधान को जब तक नहीं रखा जाएगा। तब तक उसकी छाप भारतीयों के मन में नहीं उतरेगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में संविधान दिवस के उपलक्ष में आयोजित व्याख्यान के दौरान श्यामलाल महाविद्यालय सांध्य के प्राचार्य प्रो नचिकेता सिंह ने यह बात कही।

प्रो नचिकेता ने कहा कि संविधान के अंदर निहित तमाम जन कल्याणकारी प्राविधानों को लोगों को जानना चाहिए। इससे उनके अंदर समानता, समरसता आदि का भाव पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि संविधान को सभी लोगों को पढ़ना चाहिए। क्योंकि संविधान ने ही भारत में लोकतांत्रिक प्रणाली को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया आज के समय में युवाओं में अराजकता फैलाने का काम कर रही है। इससे सामाजिक विभेद बढ़ने का भी खतरा पैदा हो गया है।

प्रो नचिकेता

यह कार्यक्रम महाविद्यालय के राजनीतिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ अरविंद यादव ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो नचिकेता ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का निवारण किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो राजेश उपाध्याय ने किया।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज ने इंडोनेशिया के पामुलांग विश्वविद्यालय के साथ किया एम ओ यू

नई दिल्ली : अकादमिक और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के तहत, दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर पामुलांग विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया के साथ किया। इसकी पहली आधिकारिक बैठक भारतीय समयानुसार दोपहर 12:00 से 1:00 बजे के मध्य संपन्न हुआ।

कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. पंकज त्यागी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया और इस साझेदारी के महत्व पर जोर दिया और दोनों विश्वविद्यालयों की पारस्परिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बैठक का संचालन पामुलांग विश्वविद्यालय के डॉ. खोलिल अज़ीज़ ने किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के प्राचार्य प्रो सदानंद प्रसाद ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के लिए वैश्विक जुड़ाव के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा

वीडियो कॉल पर मीटिंग के दौरान पामुलांग विवि और डॉ भीमराव अम्बेडकर कॉलेज के शिक्षकगण

ज्ञान की साझेदारी और समन्वय से बेहतर शैक्षणिक वातारण का विकास होगा।

पामुलांग विश्वविद्यालय में छात्र मामलों के रेक्टर डॉ. एम. वाइल्डन ने छात्र विकास और नियोजित विनिमय कार्यक्रमों के लिए प्रत्याशित लाभों पर जोर देते हुए एमओयू के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। डॉ. वाइल्डन के संबोधन ने विश्व स्तर पर जागरूक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार छात्रों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालयों के उद्देश्यों के संरेखण को रेखांकित किया।

डॉ. भीम राव अंबेडकर कॉलेज में छात्रों के लिए अकादमिक विकास सोसायटी के संयोजक प्रोफेसर बिष्णु मोहन दास ने संभावित पहल और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की । पामुलांग विश्वविद्यालय के सहयोग संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए बोबी अगस्टियन ने इस समझौता ज्ञापन की रणनीतिक क्षमता पर बात की। इसका उद्देश्य भारत और इंडोनेशिया के बीच शैक्षणिक विशेषज्ञता को पाटना है।

पामुलांग विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग के प्रमुख प्रो. खोलिल अज़ीज़ ने भी संस्थानों के बीच व्यापक सहयोग की योजनाओं को साझा किया।

पामुलांग विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग उपखंड से डॉ. गुंटार्टो विडोडो द्वारा अतिरिक्त अंतर्दृष्टि साझा की गई। उन्होंने कहा कि कैसे सहयोग राष्ट्रीय सीमाओं से परे अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देने, वैश्विक कार्यबल की उभरती मांगों के लिए छात्रों को तैयार करने में पामुलंग विश्वविद्यालय तत्पर है।

कार्यक्रम का संचालन कुमार सत्यम ने किया। यह उद्घाटन बैठक भारत इंडोनेशियाई शैक्षणिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। डॉ. भीम राव अंबेडकर कॉलेज और पामुलंग विश्वविद्यालय दोनों विभिन्न छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों को लागू करने के लिए उत्सुक हैं जो अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा, ज्ञान विनिमय और कौशल विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यह सहयोग परस्पर जुड़ी दुनिया में चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार विश्व स्तर पर सक्षम व्यक्तियों के पोषण के लिए एक साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रोफेसर बिजेंद्र कुमार, प्रोफेसर सुजीत कुमार, प्रोफेसर दीपाली जैन, प्रोफेसर ममता, प्रोफेसर पूनम मित्तल, प्रोफेसर नवीन कुमार, डॉ राकेश साहनी, डॉ मोहनीश कुमार, डॉ किसलय कुमार सिंह और डॉ मीतू दास सहित अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित थे।

झलकियां

डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह चेतना कृति के उपलक्ष्य में सृजन क्रिएटिव एंड मार्केटिंग सोसाइटी ने डूडल रचनात्मक हस्तकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय और शैक्षिक संस्थानों के बीस से अधिक युवा कलाकारों ने प्रतिभाग किया।

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद केंद्र में तीन दिवसीय 5वां विश्व पर्यावरण सम्मेलन

नई दिल्ली : नई दिल्ली नगरपालिका परिषद सम्मेलन केंद्र में पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में पांचवा विश्व पर्यावरण सम्मेलन 2024 का शुभारंभ हुआ।

डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सदानंद ने मंचस्थ अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जो हवा ले रहे हैं, जो पानी पी रहे हैं और जो खाना खा रहे हैं वह सभी आज दूषित -प्रदूषित हैं।

भारत सरकार में कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सभी मंचस्थ अतिथियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस आयोजन को सफल तभी माना जाएगा जब लोग पर्यावरण विषयक सम्मेलन में विमर्श से स्थापित पर्यावरण के कारण और निवारण संबंधी उपाय को अमल में लाएंगे। हम सभी

सम्मेलन उपरांत अतिथियों संग विद्यार्थी

ने भारतीय परंपराओं को छोड़ दिया है। हमने अपने प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्वों को निभाना छोड़ दिया है। इसी का नतीजा है कि प्रकृति हमें हमारे कार्यों का फल प्रदान कर रही है और हम प्रदूषित वातावरण में जीने को मजबूर हो रहे हैं।

पर्यावरणविद अनिल कुमार जोशी ने कहा कि न्यूयॉर्क से लेकर न्यू दिल्ली तक प्राण वायु बदल गई है। यह सभी परंपराओं को भूलने का नतीजा है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेजर जनरल डॉ श्रीपाल समेत डॉ. नलिन, प्रो. एस एस चावल, प्रो. महेश कुमार सिंह, प्रो. जय वर्मा, डॉ. मोनिका अहलावत, डॉ. तूलिका, प्रो. तारा शंकर, प्रो. राजेश उपाध्याय, प्रो. अंजू, प्रो. तुष्टि भारद्वाज शामिल रहे।

शिक्षक सहयोगी : प्रो. बिजेन्द्र कुमार , प्रो. शशि रानी, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. सुभाष गौतम
डिज़ाइन परिकल्पना : योगेश, *प्रेम कुमार*
छात्र सहयोगी : *करुणा नयन चतुर्वेदी, अंशु कुमार, सत्यम वर्मा, गोविंद राज, सत्यम कुमार, ऋतिका पटेल, सूरज, साकिब, आलोक सांडिल्य, अर्पित, राहुल, सौरव, सक्षम,अभिषेक, आयुष, राम पाठक, हरिओम*

डिस्क्लेमर: ब्राक मीडिया के इस प्रायोगिक समाचार-पत्र में छपी सामग्री लेखक के अपने विचार है, इस सामग्री का संपादकीय टीम से कोई संबंध नहीं है।